सविस्तार विषयानुक्रमणिका प्रथम एवं द्वितीय खण्ड

प्रथम खण्ड

विभाग - क : सङ्गीतपरक

1 इतिहास और विकास

1.	भारतीय सङ्गीत की परम्परा	3-7
2.	भारतीय सङ्गीत के चार प्रारूप	8-12
3.	भारतीय सङ्गीत का विकास	13-34
4.	भारतीय सङ्गीत : ऐतिहासिक दृष्टि	35-44
5.	हमारा सङ्गीत : आधार और इतिहास	45-47
6.	हमारा सङ्गीत : अतीत और वर्तमान	48-54
7.	हमारा सङ्गीत : विशिष्ट और व्यापक	55-59
8.	भारतीय सङ्गीत की गत पचास वर्षों की स्थिति	60-64
9.	गत अर्धशताब्दी में शास्त्रीय हिन्दुस्तानी सङ्गीत की प्रगति	65-68
10.	उत्तर प्रदेश में सङ्गीत का इतिहास	69-72
11.	सङ्गीतगोष्ठी : कन्सर्ट	73
12.	हमारी सांस्कृतिक परम्परा : सङ्गीत और नृत्यकला	74-76
13.	समकालीन संस्कृति और शास्त्रीय सङ्गीत	77-80
14.	भारतीय सङ्गीत का नया दौर	81-88
15.	Sāmavedic Music	89-94
16	History of Indian Music	95-98
17.	A Brief History of Indian Music	99-111
18.	The Music in the *Nāṭyāśāstra*	112-121
19.	Challenge to Traditions of Music	122-124
20.	New Trends in Fine Arts - Indian Music	125-127

2 पारिभाषिक चिन्तन

1.	साम से सङ्गीत का सम्बन्ध	131-145
2.	वैदिक स्वर लिपि	146-159

3.	मूर्च्छना और स्वर	160–172
4.	गान्धर्व सङ्गीत	173–181
5.	श्रुति और मूर्च्छना	182–188
6.	वर्ण और अलङ्कार	189–203
7.	सङ्गीत में स्वर और लय	204–206
8.	गीत	207–209
9.	सङ्गीत में काकु का स्थान	210–215
10.	राग के दो रूप	216–222
11.	राग, ध्यान और चित्र	223–232
12.	कला (सङ्गीत और नाट्य) में भाव और रस	233–248
13.	राग, लय और रस	249–262
14.	ध्रुवपद और प्रबन्ध	263–282
15.	ध्रुवपद का विकास	283–287
16.	ध्रुवपद का प्रादुर्भाव, विकास और ह्रास	288–296
17.	ख्याल का विकास	297–304
18.	ख़्यालाचा विकास (मराठी में)	305–312
19.	घराना और तान	313–321
20.	ठुमरी : उद्भव और विकास	322–334
21.	ठुमरी : प्राचीन और नवीन	335–350
22.	हमारा सङ्गीत	351–355
23.	हमारी सङ्गीत-शैली	356–359
24.	पक्की-गायकी और सिनेमा	360–363
25.	सङ्गीत रसिकों के प्रति विचार-विमर्श (प्रश्नोत्तर)	364–371
26.	The Scale and Notes of Sāmaveda	372–376
27.	The Importance of *Kāku* in Music	377–381
28.	Rāgālapti and Rūpakālapti	382–386
29.	Rāgalakṣaṇas or the Essentials of Rāga	387–392
30.	The Music of India	393–397
31.	Prabandha and Dhruvapada	398–405
32.	The Evolution of *Khyāl*	406–415
33.	The Evolution of Ṭhumarī	416–419
34.	Notes on Some Musical Terms Dictionary of Music (Music-Phraseology-Notation)	420–433

3 सङ्गीत-शिक्षण एवं विविध

1.	आधुनिक समय के अनुकूल सङ्गीत की शिक्षा	437-440
2.	सुगम सङ्गीत और भाव-प्रदर्शन	441-443
3.	सङ्गीत का भावमय रूप	444-446
4.	सङ्गीत और भावना	447-450
5.	कला रूप में सङ्गीत का जीवन में स्थान	451-458
6.	सङ्गीत और कला के क्षेत्र में - एकता और साम्प्रदायिक सद्भावना	459-461
7.	सङ्गीत के माध्यम से राष्ट्रीय एकता	462-465
8.	भारतीय संस्कृति-त्रिवेणी सङ्गम-सङ्गीत	466-468
9.	इल्म व फन दरबार के साये में - बनारस	469-470
10.	Music Education	471–476
11.	Teaching Music over the Radio	477–481
12.	Music and Science Students	482–483
13.	Functions of Criticism	484–486
14.	Indian Music Insights	487–495
15.	Holy and Whole Life Through Art	496–498
16.	Patronage of Music in India	499–501
17.	Presenting the Eastern Tradition under Conditions of Mass Distribution	502–505
18.	Challenge to Traditions of Music	506–509
19.	Traditional Music Facing Industrial Civilisation	510–516
20.	Music in the Technological Era	517–519
21.	Indian Music Today	520–526

4. सङ्गीतकार एवं रसिक

1.	पुरन्दरदास	529
2.	तानसेन	530-531
3.	हिन्दुस्तानी सङ्गीत को अमीर ख़ुसरो की देन	532-536
4.	पण्डित विष्णुदिगम्बर पलुस्कर की ज़िन्दगी की कुछ दिलचस्प बातें	537-539
5.	कैसे-कैसे क्षण, कैसे-कैसे लोग (पं० विष्णु दिगम्बर पलुस्कर)	540-542
6.	पण्डित विष्णुनारायण भातखण्डे	543-550
7.	Tansen the Orpheus of Indian Music	551–553
8.	Pandit Vishnu Digambara Paluskara's Services to Indian Music	554–557
9.	Contribution of Acharya Allauddin Khan to Hindustani Music	558–564

10. The Art of Abdul Karim Khan 565–567
11. World of Art and Letters 568–570
12. Dr. S. N. Ratanjankar : A Tribute 571–574

5. भेंटवार्त्ताओं में व्यक्त चिन्तन

1. लोक-धुनों से पैदा होते राग 577–583
2. विद्वान् कलाविद् ठाकुर जयदेव सिंह से साक्षात्कार (उस्ताद फैय्याज़खाँ के विषय में) 584–599
3. पद्मभूषण डॉ. जयदेव सिंह से साक्षात्कार – पं० काशीनाथ पाण्डेय द्वारा 600–605
4. मेरी जीवनयात्रा (स्वयं ठाकुर जयदेव सिंह के शब्दों में) 606–608
5. Music verses Literature – (An Interview by Sri Sita Sharan Singh) 609–617
6. Educational Career – Thakur Jaideva Singh 618–621

विभाग - ख : साहित्य में सङ्गीत और दर्शन तथा सङ्गीत में दार्शनिक चिन्तन

1 साहित्य में सङ्गीत और दर्शन

1. कालिदास की रचनाओं में सङ्गीत-तत्त्व 625–637
2. सूरदास के पदों में सङ्गीत 638–646
3. कबीर का विरह वर्णन 647–653
4. गुरु नानकदेव और उनकी वाणी 654–657
5. गोस्वामी तुलसीदासजी के अनुसार काव्य का उत्स 658–660
6. रवीन्द्र साहित्य में दार्शनिक चिन्तन 661–681
7. रहस्यवाद 682–692

2. सङ्गीत में दार्शनिक चिन्तन

1. सङ्गीत और दर्शन 695–696
2. The Concept of Rasa 697–701
3. Aesthetics of Indian Music 702–712
4. Aesthetics of Hindustani Musical Forms 713–722
5. Abhinavagupta's contribution to Indian Music I 723–729
6. Abhinavagupta's contribution to Indian Music II 730–732
7. Rādhā-Kṛṣṇa Theme in Music 733–735